पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छत्तीसगढ़)

पाठ्यक्रम

एम. ए. पूर्व हिंदी

CODE –111

एम. ए. अंतिम हिंदी

CODE –112

परीक्षा 2022–24

सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली
एवं
वार्षिक परीक्षा प्रणाली

सत्र 2022–24 एम.ए. हिंदी अंक विभाजन सेमेस्टर प्रणाली

प्रथम सेमेस्टर

अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
प्रथम : आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल	80	20	100
द्वितीय : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	20	100
तृतीय : छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य	80	20	100
चतुर्थ : नाटक, एकांकी एवं रेखाचित्र	80	20	100
		कुल	400 अंक

द्वितीय सेमेस्टर

अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
पंचम : उत्तर मध्यकाल एवं आधुनिक काल	80	20	100
षष्ठ : मध्यकालीन काव्य	80	20	100
सप्तम : प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य	80	20	100
अष्टम : उपन्यास, निबंध एवं कहानी	80	20	100
		कुल	400 अंक

तृतीय सेमेस्टर

अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
प्रथम : साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र	80	20	100
द्वितीय : भाषा विज्ञान	80	20	100
तृतीय : कामकाजी हिंदी एवं पत्रकारिता	80	20	100
चतुर्थ : भारतीय साहित्य	80	20	100
		कुल	400 अंक

चतुर्थ सेमेस्टर

अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
पंचम : हिंदी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र	80	20	100
षष्ठ : हिंदी भाषा	80	20	100
सप्तम : मीडिया लेखन एवं अनुवाद	80	20	100
अष्टम : छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य	80	20	100
		कुल	400 अंक

टीपः– प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत दो आंतरिक मूल्यांकन का आयोजन अनिवार्य होगा एवं इसका मूल्यांकन विभाग के शिक्षकों के द्वारा किया जावेगा तथा प्राप्तांक विश्वविद्यालय को प्रेषित किया जावेगा

[103·01]

एम.ए. हिंदी 2022–24.
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र–प्रथम
आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल

पूर्णांक : 80

पाठ्य–विषयः

इकाई–1 – आदिकाल – इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास

हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।

हिंदी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्याएँ तथा साहित्येतिहास लेखकों का सामान्य परिचय

इकाई –2 हिंदी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, वीरगाथाकाल तथा रासो काव्य, सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, साहित्यिक प्रवृत्तियॉं, काव्य धाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार ।

इकाई– 3 पूर्व मध्यकाल (भक्ति काल).

सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना, भक्ति आंदोलन, भक्ति काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, संत काव्य, काल पूर्व काव्य–धाराएँ – निर्गुण, सगुण भक्ति धारा, संत काव्य सामान्य प्रवृत्तियाँ।

इकाई–4 प्रेमाख्यानक काव्य – प्रवृत्तियॉं, प्रेमाख्यानक काव्य परम्परा और उसका विकास, संतकाव्य परम्परा एवं रामभक्ति काव्य, कृष्ण भक्ति काव्य, सामान्य प्रवृत्तियॉं और दार्शनिक विचार धाराएँ एवं विकास ।

बाह्य परीक्षा 80 अंक

1 वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2 अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3 लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	24 अंक
4 दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – 20 अंक

निर्धारित पुस्तकें

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2 हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3 हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
4 आदिकालीन हिंदी साहित्य – डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय
5 आदिकालीन हिंदी साहित्य : सांस्कृतिक पीठिका – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
6 हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
7 मध्यकालीन कविता का पुनर्पाठ – प्रो. करुणा शंकर उपाध्याय

एम.ए. (हिंदी) – 2022–24

[103·02]

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र–द्वितीय

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन अपेक्षित है ।

इकाई 1. – चंदबरदाई पृथ्वीराज रासो, संपादक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह (शशिवृता विवाह खंड) पद्मावती समय

इकाई 2– कबीर ग्रंथावलीः संपादक डॉ. श्याम सुंदर दास (100 साखियाँ तथा 25 पद) पद क्रमांक 11, 16, 24, 26, 27, 40, 45, 49, 60, 64, 70, 72, 75, 79, 89, 93, 99, 100, 101, 103, 110, 111, 135, 267, 268

साखियाँ – गुरूदेव कौ अंग 1 से 20, सुरिमण कौ अंग 1 से 10, विरह कौ अंग 1 से 10 ग्यान विरह कौ अंग 1 से 10, चितावणी कौ अंग 1 से 10, माया कौ अंग 1 से 5 परचा कौ अंग 1 से 10 ।

इकाई 3 – मलिक मोहम्मद जायसी पद्मावत संपादक आ. रामचंद्र शुक्ल (नागमति विरह खण्ड एवं मानसरोदक खण्ड

इकाई 4 – दुत पाठ हेतु निम्नांकित 6 कवियों का एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन अनिवार्य है, इन कवियों पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे– अमीर खुसरों, विद्यापति, मीराबाई, रहीम, रैदास, रसखान ।

बाह्य परीक्षा 80 अंक

1	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – 20 अंक

निर्धारित पुस्तकें :

1. डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी – चंदबरदाई
2. कबीर की विचारधारा – डॉ. गोविन्द त्रिगुणायन
3. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
5. जायसी की विशिष्ट शब्दावली – डॉ. इंदिरा कुमारी सिंह
6. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक
7. अमीर खुसरो और उनका साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. कबीर – सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी

एम.ए. (हिंदी) 2022–24

[103·03]

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्न पत्र – तृतीय

छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः– व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन अपेक्षित है ।

इकाई 1 मैथिलीशरण गुप्त साकेत नवम् सर्ग

इकाई 2 जयशंकर प्रसाद कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, लज्जा, इड़ा सर्ग)

इकाई 3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति ।

इकाई 4 द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 6 कवियों का अध्ययन किया जाएगा ।

अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध", हरिवंशराय बच्चन, मुकुटधर पांडेय, जगन्नाथ दास रत्नाकर, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा

बाह्य परीक्षा 80 अंक

1	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – 20 अंक

निर्धारित पुस्तकें:

1. साकेत एक अध्ययन– डॉ. नगेन्द्र
2. कवि निराला – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
3. निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा
4. नया साहित्य नये साधना – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
5. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
6. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर
7. हिंदी साहित्य आधुनिक परिदृश्य – अज्ञेय
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – नगेन्द्र
9. बच्चन की कविताओं का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. शीला शर्मा
10. पं. मुकुटधर पाण्डेय चयनिका–प्रो. दिनेश पाण्डेय, बिहारीलाल साहू, छ.ग. ग्रंथ अकादमी ।

[103.04]

एम.ए. (हिंदी) – 2022–24
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य
नाटक, एकांकी एवं रेखाचित्र (साहित्य)

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषय :

इकाई–1	नाटक	1 स्कंदगुप्त	जयशंकर प्रसाद
		2 आधे–अधूरे	मोहन राकेश
इकाई–2	एकांकी	1 दीपदान	रामकुमार वर्मा
		2 एक दिन	लक्ष्मीनारायण मिश्र
		3 रीढ़ की हड्डी	जगदीश चन्द्र माथुर
		4 तौलिए	उपेन्द्रनाथ अश्क
		5 मम्मी ठकुराइन	लक्ष्मीनारायण लाल

इकाई–3 रेखाचित्र (साहित्य) – अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा
(रामा, रबिया, घीसा, अलोपी, लक्षमा, भाभी)

बाह्य परीक्षा 80 अंक

1	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – 20 अंक

निर्धारित पुस्तकें:

1 हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा
2 हिंदी नाटक सिद्धांत और विवेचन – डॉ. गिरीश रस्तोगी
3. हिंदी नाटक पुनर्मूल्यांकन – डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4. समसामयिक हिंदी नाटकों में चरित्र सृष्टि – डॉ. जयदेव तनेजा
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
6. आधुनिक हिंदी नाटक – नगेन्द्र
7. नाटक रंगमंच और मोहन राकेश – डॉ. सुरेन्द्र यादव
8. प्रसाद युगीन हिंदी नाटक – डॉ. भगवती प्रसाद शुक्ल
9. प्रसाद के नाटक एवं नाट्य शिल्प – डॉ. शांति स्वरूप गुप्त
10. नाटककार मोहन राकेश – डॉ. सुन्दर लाल कथूरिया
11. हिंदी एकांकी : उद्‌भव और विकास – रामचरण महेन्द्र
12. हिंदी रंगमंच: दशा और दिशा – जयदेव तनेजा

एम.ए. (हिंदी) – 2022–24
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र –पंचम
(उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक)

[103·05]

समय 3 घंटे पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः

इकाई 1 उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) सामाजिक काल विभाजन, नामकरण, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धारा प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ

इकाई 2 आधुनिक काल – आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि सन् 1857 की राज्य क्रांति एवं पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग– प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएँ ।

इकाई 3 द्विवेदी युग प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ, स्वच्छंदतावाद, छायावाद नामकरण और प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यकार, साहित्यिक विशेषताएँ छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियाँ) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीतवाद तथा समकालीन कविता का सामान्य परिचय ।

इकाई 4 हिंदी गद्य का विकास – उपन्यास, कहानी, नाटकों का विकास एवं प्रवृत्तियाँ हिंदी साहित्य के अन्य विधाओं का अध्ययन, आधुनिक काल, गद्य साहित्य के विभिन्न रूपों का उद्भव और विकास, उपन्यास व कहानी का विकास और सामान्य प्रवृत्तियाँ, निबंध का विकास और प्रवृत्तियाँ, नाटक का उद्भव और विकास सामान्य प्रवृत्तियाँ, गीति नाटकों का परिचयात्मक विवेचन।

बाह्य परीक्षा – 80 अंक

1.	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2.	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

निर्धारित पुस्तकें :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियों – डॉ. नामवर सिंह
2. हिंदी साहित्य बीसवीं शताब्दी – नन्ददुलारे वाजपेयी
3. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – कृष्ण शंकर शुक्ल
4. गद्य की विविध विधाएँ – डॉ. बापूराव देसाई
5. हिंदी कहानी – उद्भव और विकास डॉ. सुरेश सिन्हा
6. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियों – डॉ. शशि भूषण सिंह
7. हिंदी नाटक उद्भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
9. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

[103·06]

एम.ए. (हिंदी) – 2022–24
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – षष्ठ
मध्यकालीन काव्य

समय 3 घंटे पूर्णांक 80

पाठ्य विषयः– व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

इकाई–1 **सूरदास** – भ्रमरगीत सार – संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल (50 पद)

पद संख्या 1 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70, 81 से 90 तक (50 पद)

इकाई–2 **तुलसीदास** 1– रामचरित मानस (उत्तरकाण्ड) दोहा संख्या 1–40, गीताप्रेस गोरखपुर

इकाई–3 बिहारीलाल बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)

इकाई–4 मीरा पदावली (सं. विश्वनाथ त्रिपाठी) प्रारंभिक 20 पद

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 6 कवियों एवं उनकी रचनाओं का (विषय एवं शिल्पगत) ज्ञान अपेक्षित है ।

केशव, भूषण, पद्माकर, देव, घनानंद, गिरधर कविराय

बाह्य परीक्षा 80 अंक

1.	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2.	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

निर्धारित पुस्तकें :

1. बिहारी – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. तुलसीदास और उनका युग संदर्भ – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. सूरदास के काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर
4. तुलसी साहित्य के नये संदर्भ – डॉ. एल.एन. दुबे
5. सूरदास – डॉ. हरबंस लाल वर्मा
6. तुलसीदास – प्रो. सतीश कुमार
7. सूरदास – मैनेजर पाण्डेय

एम.ए. (हिंदी) 2022–24
द्वितीय सेमेस्टर
[103·07]
प्रश्न पत्र – सप्तम
प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी काव्य

पाठ्य–विषय

कुल अंक : 80

इकाई–1 सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय – नदी के द्वीप, असाध्यवीणा, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षणभर

इकाई–2 गजानन माधव मुक्तिबोघ – ब्रह्मराक्षस, भूल गलती

इकाई–3 नागार्जुन – बसन्त की अगवानी, कोई आए तुमसे सीखे, शिशिर, विष कन्या, शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है ।

इकाई–4 दुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों का अध्ययन किया जायेगा ।

रामधारी सिंह दिनकर, केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन शास्त्री, भवानी प्रसाद मिश्र, विनोद कुमार शुक्ल, धूमिल, मंगलेश डबराल, कुँवरनारायण

बाह्य परीक्षा – 80 अंक

1.	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2.	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

निर्धारित पुस्तकें :

1. मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया – अशोक चक्रधर
2. अज्ञेय का रचना संसार – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. कविता की तीसरी आंख – डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
4. कविता से साक्षात्कार – मलयज
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामचन्द्र शुक्ल
6. कविता की संगत विजय कुमार कविता का अर्थात – परमानंद श्रीवास्तव
7. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह
8. छायावादोत्तर काव्यों की विभिन्न प्रवृत्तियाँ एवं उनका चैन्तनिक पक्ष – डॉ. ज्योति पाण्डेय
9. प्रगतिशील कविता और केदार – गिरजाशंकर गौतम

एम.ए. (हिंदी) 2022–24
द्वितीय सेमेस्टर
[103·08]
प्रश्न पत्र – अष्टम
आधुनिक गद्य साहित्य
उपन्यास, निबंध एवं कहानी

पाठ्य–विषय – पूर्णांक 80

इकाई–1 उपन्यास– 1 गोदान – प्रेमचंद

2 बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई–2 निबंध – 1 क्रोध – रामचंद्र शुक्ल

2 गेंहू बनाम गुलाब – रामवृक्ष बेनीपुरी

3 उत्तरा फाल्गुनी के आसपास – कुबेरनाथ राय

4 तुम चंदन हम पानी – विद्यानिवास मिश्र

5 वैष्णव की फिसलन – हरिशंकर परसाई

इकाई–3 कहानी – 1 उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

2 आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद

3. नमक का दरोगा – प्रेमचंद

4 अमृतसर का गया – भीष्म साहनी

5. बादलों के घेरे – कृष्णा सोवती

बाह्य परीक्षा 80 अंक

1.	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2.	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक –

निर्धारित पुस्तकें:

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा
2. गोदान के अध्ययन की समस्याएं – डा. गोपाल राय
3. कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु – चंद्रभाव सोनवठी
4. हिंदी उपन्यास की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ तेनजा
5. हिंदी उपन्यास उद्भव और विकास – सुरेश सिन्हा
6. प्रेमचंद : एक अध्ययन – राजेश्वर गुरु
7. महादेवी प्रतिनिधि गद्य रचनाएं – सं. रामजी पाण्डेय
8. हिंदी निबंध के आधार स्तम्भ – डा.हरिमोहन
9. हिंदी कहानी उद्भव और विकास – सुरेश सिन्हा
10. कहानीः स्वरूप और संवेदना – राजेन्द्र यादव
11. कहानी नयी कहानी – नामवर सिंह
12. हजारी प्रसाद द्विवेदी – सं. विश्वनाथ तिवारी
13. प्रेमचंद का जीवनदर्शन एवं रंगभूमि – डा. शंकर बुन्देले

एम.ए. (हिंदी) 2022–24

[103.09]

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र – प्रथम

साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र

पाठ्य–विषयः पूर्णांक : 80

इकाई–1 भारतीय काव्य शास्त्र
काव्य लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य प्रयोजन और काव्य के प्रकार
रस सिद्धांत, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण, रस के अंग ।

इकाई–2 अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत और औचित्य सिद्धांत

इकाई–3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र, प्लेटो–काव्य सिद्धांत, अरस्तु – अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, लौजाइनस–उदात्त की अवधारणा

इकाई 4 मैथ्यू आर्नल्ड – कला की अवधारणा टी.एस. इलियट कला की निर्वैयक्तिकता, कॉलरिज–कल्पना सिद्धांत, स्वच्छदतावाद – अभिजात्यवाद, नयी समीक्षा, मिथक फन्तासी, बिम्ब एवं प्रतीक योजना।

बाह्य परीक्षा – 80 अंक

1	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – 20 अंक

निर्धारित पुस्तकें:

1 भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
2 पाश्चात्य काव्य शास्त्र, इतिहास, सिद्धांत एवं वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र
3 भारतीय काव्य शास्त्र के नये क्षितिज – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
4 मार्क्सवादी साहित्य के सिद्धांत – डॉ. शिवकुमार मिश्र
5 भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
6 पाश्चात्य साहित्य चिंतन – डॉ. निर्मला जैन
7 मुलजी भाई – भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र
8 आधुनिकता, साहित्य के संदर्भ में – डॉ. गंगा प्रसाद विमल

एम.ए. (हिंदी) 2022–24
तृतीय सेमेस्टर
[103·10]
प्रश्न पत्र–द्वितीय
भाषाविज्ञान

पाठ्य विषयः पूर्णांक : 80

इकाई–1 भाषा और भाषा विज्ञान, भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति अध्ययन की दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक

इकाई–2 स्वन प्रक्रिया : स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागअवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन । स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद ।

इकाई–3 व्याकरण : रूपविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद, मुक्त आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंधदर्शी रूपिम और शाखाएं, रूपिम के भेद और प्रकार्य । वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण ।

इकाई–4 अर्थविज्ञान, अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन, पर्यायवाची, अनेकार्थी, समानार्थी एवं विलोमार्थी शब्द ।

बाहय परीक्षा 80 अंक

1	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

निर्धारित पुस्तकें:

1. सामान्य भाषा विज्ञान– डॉ. बाबूराम सक्सेना,
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषाशास्त्र की रूपरेखा – उदयनारायण तिवारी
4. भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी
5. सामान्य भाषाविज्ञान – बाबूराम सक्सेना
6. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा – द्वारिका प्रसाद मिश्र

एम. ए. (हिंदी)
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–तृतीय
कामकाजी हिंदी एवं पत्रकारिता

[103·11]

पाठ्य विषयः पूर्णांक 80

इकाई–1 हिंदी के विभिन्न रूप, सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, कार्यालयीन हिंदी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी।

इकाई–2 पारिभाषिक शब्दावली स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली । हिंदी कम्प्यूटर, कम्प्यूटर परिचय, उपयोगिता एवं क्षेत्र, सोशल मीडिया, ट्विटर, ब्लाग, इंस्टाग्राम, फेसबुक, टेलीग्राम, व्हाटसअप, यूटयूब ।

इकाई–3 इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययता के सूत्र, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज।

इकाई–4 पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रकार हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास । समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व व्यवहारिक प्रूफशोधन, शीर्षक संरचना, लीड इंट्री एवं शीर्षक।

संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता ।

बाहय परीक्षा – 80 अंक

1	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

निर्धारित पुस्तकें:

1 प्रयोजन परक हिंदी – प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित
2 पत्रकारिता के छह दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
3 पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव मनावत
4 कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा
5 कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल
6 आधुनिक पत्रकारिता का वृहद इतिहास – अर्जुन तिवारी
7 प्रयोजन मूलक हिन्दी – रामछबीला त्रिपाठी

एम.ए. हिंदी – 2022–24

[103.12]

तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – चतुर्थ
भारतीय साहित्य

पाठ्य–विषय :

पूर्णांक 80

इकाई–1 भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

इकाई –2 हिंदीतर साहित्य का इतिहास जो तीन वर्गों में विभक्त है –

1. दक्षिणात्य भाषा वर्ग से मलयालम
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग में बंगला
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग में मराठी

प्रत्येक विद्यार्थी इन तीनों विकल्पों में से एक भाषा चयन करेंगे बशर्ते वह भाषा अपनी क्षेत्रीय भाषा से भिन्न भाषा वाले वर्ग से संबंधित हो। विद्यार्थी एक भाषा वर्ग (मलयालम, बंगला, मराठी) में से किसी एक के इतिहास का अध्ययन करेंगे

इकाई–3 हिंदी भाषा साहित्य एवं बंगला एवं मलयालम भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई– 4 उपन्यास – अग्निगर्भ (बंगला– महाश्वेता देवी)

नाटक – हयवदन (कन्नड़– गिरीश कर्नाड)

कविता संग्रह– कोच्चि के दरख़्त (मलयालम – के.जी. शंकर पिल्लै)

बाह्य परीक्षा 80 अंक

1. वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2. अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3. लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4. दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

निर्धारित पुस्तकें:

1. मलयालम साहित्य–परख और पहचान – प्रो. आर. सुरेन्द्रन
2. राष्ट्रीय चेतना और मलयालम साहित्य – प्रो. आर. सुरेन्द्रन
3. मराठी भाषा और साहित्य – राजमल वोरा
4. मलयालम साहित्यकारों से साक्षात्कार – प्रो. आर. सुरेन्द्रन
5. बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास – भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद
6. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेन्द्र
7. भारतीय साहित्य रत्नमाला सं. कृष्णदयाल भार्गव
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याऐं – डॉ. रामविलास शर्मा
9. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
10. भारतीय साहित्य अवधारणा समन्वय एवं सादृश्यता– जगदीश यादव

एम.ए. (हिंदी)
चतुर्थ सेमेस्टर
[103·13]
प्रश्न पत्र – पंचम
(हिंदी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र)

पाठ्य–विषयः पूर्णांक 80

इकाई 1 मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अभिजात्यवाद, मार्क्सवाद, आधुनिक विशिष्ट प्रवृत्तियाँ, संरचनावाद शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता।

इकाई 2 हिंदी कवि आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन– लक्षण काव्यपरम्परा, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास शर्मा

इकाई 3 आधुनिक हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ शास्त्रीय, ऐतिहासिक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्य शास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक शिवदान सिंह चौहान

इकाई 4 समकालीन हिंदी समालोचना : शिवदान सिंह चौहान, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी, कृष्णदत पालीवाल, सुधीश पचौरी

बाह्य परीक्षा – 80 अंक

1.	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2.	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

निर्धारित पुस्तकें :

1. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत भाग 1 एवं 2 – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
2 हिंदी आलोचना उद्‌भव और विकास – डॉ. भगवत स्वरूप मिश्र
3 हिंदी आलोचना के आधार स्तम्भ – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल
4 डॉ. शिवकरण सिंह – आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिंदी साहित्य
5 हिंदी आलोचना का विकास – डॉ. नंदकिशोर नवल
6 अस्तित्ववाद किर्कगार्द से कामू तक – योगेन्द्र शाही
7 आलोचनात्मक रामविलास शर्मा – रणधीर सिन्हा

एम.ए. (हिंदी) 2022–24
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र–षष्ठ
(हिंदी भाषा)

[103·14]

पाठ्य विषयः

पूर्णांक 80

इकाई–1 हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ – पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं । आधुनिक भारतीय भाषाएँ और उनका वर्गीकरण ।

इकाई–2 हिंदी का भौगोलिक विस्तार – हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां । खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ ।

इकाई–3 हिंदी के विविध रूप, संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति । हिंदी शब्द रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास

इकाई–4 हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ, आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी और समास शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा शिक्षण, देवनागरी लिपि का उद्‌भव एवं विकास विशेषताएँ और मानकीकरण ।

बाह्य परीक्षा 80 अंक

1.	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2.	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

निर्धारित पुस्तकें :

1. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी और उसकी विविध बोलियों – प्रो. दीपचंद जैन
3 भाषा भूगोल – कैलाशचंद भटिया
4. हिंदी भाषा की रूप संरचना – भोलानाथ तिवारी
5 राष्ट्रभाषा हिंदी समस्याएँ और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा
6. नागरी लिपि और हिंदी – अनंत चौधरी
7. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
8. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी

एम.ए. – (हिंदी) 2022–2024
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – सप्तम
(मीडिया–लेखन एवं अनुवाद)

[103·15]

पाठ्य विषयः

पूर्णांक : 80

इकाई–1 मीडिया लेखन

जनसंचार प्रौद्योगिक एवं चुनौतियों, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप मुद्रण, श्रवण, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट, श्रवण–माध्यम (रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज ।

इकाई–2 दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियो) दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर) पटकथा–लेखन, टेली–ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण, विज्ञापन की भाषा ।

इकाई–3 अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहित्य की हिंदी और अनुवाद।

इकाई–4 व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास कार्यालयीन अनुवाद कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली प्रशासनिक प्रयुक्तियों पदनाम विभाग, आदि पत्रों के अनुवाद, पदनामों – अनुभागों – दस्तावेजों – प्रतिवेदनों के अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद, दुभाषिया–प्रविधि ।

बाह्य परीक्षा 80 अंक

1.	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2.	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

निर्धारित पुस्तकें :

1 जनसंचार माध्यमों में हिंदी – डॉ. चन्द्रकुमार (क्लासिकल पब्लिक कंपनी)
2 जनमाध्यम एवं पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
3 पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भागवन्त (उ.प्र. जयपुर)
4 पत्रकारिता के विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक
5 दूरदर्शन हिंदी के प्रयोनमूलक विविध प्रयोग – डॉ. कृष्णकुमार रत्तू (मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर)
6 जनमाध्यम एवं पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
7 अनुवाद के सिद्धांत – सुरेश कुमार
8 अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – सुरेश कुमार
9 अनुवाद–बोध – डॉ. गार्गी गुप्त (भारतीय अनुवाद परिषद् दिल्ली)

[103·16]

एम.ए. (हिंदी) – 2022–24
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – अष्टम
छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषय :

इकाई–1 छत्तीसगढ़ी भाषा – भौगोलिक सीमा, नामकरण, भाषिक स्वरूप एवं व्याकरणिक विशेषताएँ।

इकाई–2 छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियाँ एवं इतिहास ।

इकाई–3 छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि

(1) सुंदरलाल शर्मा (2) खूबचंद बघेल (3) हरि ठाकुर (4) नरेन्द्र देव वर्मा ।

इकाई–4 छत्तीसगढ़ी नाटक एवं उपन्यास

1. करमछड़हा (नाटक) – खूबचंद बघेल
2. आवा (उपन्यास) – परदेशीराम वर्मा

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित रचनाकार का अध्ययन (पांच लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे)

(1) लखन लाल गुप्त (2) मुकुन्द कौशल (3) पवन दीवान (4) लक्ष्मण मस्तुरिहा

(5) लोचन प्रसाद पाण्डेय (6) कोदूराम दलित (7) केयूर भूषण (8) लाला जगदलपुरी

बाह्य परीक्षा – 80 अंक

1.	वैकल्पिक प्रश्न / वस्तुनिष्ठ प्रश्न –	20 प्रश्न	20 अंक
2.	अतिलघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न	16 अंक
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न –	08 प्रश्न –	24 अंक
4.	दीर्घउत्तरीय प्रश्न –	4–5 प्रश्न	20 अंक

निर्धारित पुस्तकें :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्विकास – डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी परिचय – डॉ. बलदेव मिश्र
3. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य – डॉ. सत्यभामा आड़िल
4. छत्तीसगढ़ के साहित्यकार – देवीप्रसाद वर्मा
5. मानक छत्तीसगढ़ी – डॉ. सुधीर शर्मा
6. राजभाषा छत्तीसगढ़ी – डॉ. सुधीर शर्मा
7. प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी – डॉ. सुधीर शर्मा
8. छत्तीसगढ़ी लोकाक्षर (पत्रिका) – नंदकिशोर तिवारी

2022–23

एम. ए. पूर्व (हिंदी)

एम.ए. पूर्व में कुल पांच प्रश्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र तीन घंटे का तथा 100 अंको का होगा। इस परीक्षा में भाषा और साहित्य का व्यापक ज्ञान अपेक्षित है। निर्धारित पुस्तक और उसके निर्दिष्ट अंश केवल व्याख्यापरक प्रश्नों के लिए है । समीक्षात्मक प्रश्न कृतिकार के संपूर्ण कृतित्व से संबंधित रहेंगे। द्रुत पाठ के लिए रचनाकार के कृतित्व से परिचित होना आवश्यक है। हिंदी भाषा और साहित्य के संपूर्ण वाड्.मय का ज्ञान अपेक्षित है। हिंदी के समकालीन भारतीय साहित्य, जनपदीय भाषा का साहित्य एवं रोजगारोन्मुख प्रयोजनमूलक हिंदी एवं पत्रकारिता हिंदी का पाठ्यक्रम बदलते युग की मांग है। अतः विद्यार्थियों को युगानुरूप हिंदी के विविध व्यावसायिक रूपों का भी अध्ययन करना होगा ।

प्रत्येक प्रश्न–पत्र में संबंधित काल के इतिहास एवं संस्कृति की जानकारी भी अपेक्षित है। अपने क्षेत्र से संबंधित आंचलिक बोली / भाषा का अपेक्षित ज्ञान एवं क्षेत्रीय शब्दों का सर्वेक्षण कार्य आवश्यक है। एम. ए. पूर्व हिंदी के निम्नलिखित पाँच प्रश्न–पत्र होंगेः

क्र.	प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का नाम	अंक	पेपर कोड
1	प्रथम	हिंदी साहित्य का इतिहास	100	0313
2	द्वितीय	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	100	0314
3	तृतीय	आधुनिक हिंदी काव्य	100	0315
4	चतुर्थ	आधुनिक गद्य साहित्य	100	0316
5	पंचम	छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य	100	0317

एम. ए. पूर्व (हिंदी)
प्रथम प्रश्न पत्र
हिंदी साहित्य का इतिहास
(पेपर कोड 0313)

प्रस्तावना –

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, फलतः साहित्यिक रूपों में भी बदलाव आ जाता है। इस बदली हुई विकास प्रक्रिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही देखा परखा जा सकता है।

हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोवेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है। जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिध्वनित हैं । आठवीं, नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा–शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है । अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक एवं समीचीन है ।

पाठ्य–विषय

इकाई–1 इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास

- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ ।
- हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण ।
- हिंदी साहित्य आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ– साहित्य, रासो–काव्य, जैन साहित्य ।
- हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियों, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ

इकाई–2 पूर्व–मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य ।

- प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान ।
- भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व ।
- राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्णेत्तर काव्य, भक्तीतर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य ।

इकाई–3 उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि –

- सीमा और नामकरण, दरबारी संरक्षित लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य । आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण भारतेंदु युग प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।
- द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।
- हिंदी स्वच्छदतावादी चेतना का परवर्ती विकास, छायावादी काव्य प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।

इकाई–4 उत्तरछायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ –

– प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता । प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।

– हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज, आदि) का विकास ।

– हिंदी आलोचना का उद्‌भव और विकास ।

– दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय ।

– उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय ।

– हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशान्तर में हिंदी भाषा और साहित्य ।

अंक विभाजन –

04 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60 अंक
05 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	20 X 1	20 अंक
	कुल	100 अंक

संदर्भ–ग्रन्थ –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का इतिहास – बाबू गुलाबराय वर्मा
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – रमाशंकर शुक्ल रसाल ।
6. हिंदी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियों – डॉ. शिवकुमार शर्मा
8. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – कृष्ण शंकर शुक्ल ।
9. हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास – चतुरसेन शास्त्री
10. हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – देवीशरण रस्तोगी ।
11. हिंदी साहित्य और उसका विकास – प्रेमलता अग्रवाल
12. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – श्यामसुन्दर दास एवं नंद दुलारे वाजपेयी
13. हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – डॉ. सरयूकान्त शास्त्री
14. हिंदी साहित्य का इतिहास – हृदयेश मिश्र
15. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर
16. हिंदी साहित्य का वृहद् इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा (18 भाग)
17. हिंदी साहित्य– हजारी प्रसाद द्विवेदी
18. हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
19. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भाग 1 एवं 2) – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
20. हिंदी साहित्य कोश–ज्ञानमंडल प्रकाशन, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(पेपर कोड–0314)

प्रस्तावना –

हिंदी के आदिकालीन काव्य अपनी पृष्ठभूमि में अप्रभंश के आवेदन को पूरी तरह समेटे हुए है। प्रबंध, मुक्तक आदि काव्य रूपों में रचित और अपभ्रंश एवं देशी भाषा में अभिव्यजिंत आदिकालीन साहित्य की परवर्ती कालों को प्रभावित करने में सक्रिय एवं सक्षम भूमिका रही है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और गुणों की धड़कनों को सम्रगता में समझने के लिए अनिवार्य है।

पाठ्य विषय – व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित 6 कवियों का अध्ययन किया जाएगा

1. चंदरबरदाईः पृथ्वीराज रासो संपा, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं डॉ. नामवर सिंह (पद्मावती समय)
2. विद्यापति : विद्यापति पदावली, संपा. रामवृक्ष बेनीपुरी (प्रारंभिक 1–20)
3. कबीर ग्रंथावली : संपा. डॉ. श्यामसुंदर दास (100 साखियाँ एवं 25 पद)

साखियाँ : गुरुदेव की अंग 1 से 20, सुमिरण की अंग 1 से 10, विरह की अंग से 10, ग्यान बिरह की अंग 1 से 10, परचा की अंग 1 से 10, रस की अंग, 1 से 5 निहकर्मी पतिव्रता– 1 से 10, चितावणी 1 से 10, माया 1 से 5, काल की अंग 1 से 10 तक

पद संख्या : 11, 16, 24, 26, 27, 40, 47, 49, 60, 64, 70, 72, 75, 89, 93, 98, 99, 100, 101, 103, 110, 111, 135, 267, 268 = (25)

4. सूरदास : भ्रमर गीत सार–संपा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल (50 पद)
5. तुलसीदास : रामचरित मानस (गीता प्रेस) (उत्तरकाण्ड) दोहा संख्या 1–60
6. बिहारी : बिहारी रत्नाकर – संपा, जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)
7. मीराबाई : (संपादक विश्वनाथ त्रिपाठी) प्रारंभिक के 25 पद

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 10 कवियों की रचनाओं का ज्ञान, भावगत, शिल्पगत विशेषताएँ, कालगत प्रवृत्तियाँ एवं कवि का परिचय प्राप्त करना अपेक्षित है । इन 10 कवियों पर 5 लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे ।

1. नन्ददास, 2. दादू 3. सेनापति 4. रैदास, 5. रहीम 6. रसखान
7. केशवदास 8. देव 9. भूषण 10. पद्माकर

अंक विभाजन –

3 व्याख्या	3 X 10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1 =	20 अंक
	कुल	100 अंक

इकाई विभाजन –

इकाई – 1 व्याख्या
इकाई – 2 चंदरबरदाई विद्यापति एवं कबीर
इकाई – 3 सूरदास, तुलसीदास बिहारीलाल एवं मीराबाई
इकाई – 4 दुतपाठ के 10 कवि
इकाई – 5 सहायक पाठ्य पुस्तकों से – वस्तुनिष्ठ / अतिलघुत्तरीय

सहायक पुस्तकें :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. चन्दबरदाई – डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी
4. विद्यापति – जयनाथ नलिन
5. महाकवि विद्यापति – डॉ. कृष्णानंद पीयूष
6. कबीर का रहस्यवाद – डॉ. रामकुमार वर्मा
7. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
8. संत धर्मदास कबीर पंथ के प्रवर्तक – डॉ. सत्यभामा आडिल
9. कृष्ण काव्य और सूर – डॉ. प्रेमशंकर
10. सूरदास काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर
11. सूर साहित्य – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
12. सूरदास – डॉ. हरवंशलाल वर्मा
13. महाकवि तुलसीदास और उनका युग संदर्भ– डॉ. भगीरथ मिश्र
14. तुलसी दर्शन – डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र
15. बिहारी का मूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह
16. मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी – डॉ. रामसागर त्रिपाठी
17. रीति स्वछन्द काव्य धारा – डॉ. कृष्णचन्द्र वर्मा
18. मध्यकालीन हिंदी काव्यधारा – डॉ. रामस्वरूप मिश्र
19. भक्तिकाल और लोकजीवन – डॉ. शिवकुमार मिश्र
20. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा – डॉ. मोहन लाल गौड़
21. कबीर – डॉ. महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
22. कबीर – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
23. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना

तृतीय प्रश्न–पत्र
आधुनिक हिंदी काव्य
(पेपर कोड 0315)

प्रस्तावना –

आधुनिक हिंदी काव्य पुनर्नवा के रूप में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ है । उपेक्षित विषय भी यहाँ सार्थक एवं प्रासंगिक हो गए । उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध से अद्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचार सारणियाँ इसमें अभिव्यक्ति हुए है । सामान्य मनुष्य इसमें अभिव्यंजित हुआ है । विविध धाराओं में प्रवाहमान आधुनिक हिंदी काव्य प्रेरणा और ऊर्जा का अजस्र स्रोत है। इस प्रश्न पत्र में व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित 7 कवियों का अध्ययन किया जाएगा

पाठ्य विषय–

1.	मैथिलीशरण गुप्ता	साकेत (नवम सर्ग)
2.	जयशंकर प्रसाद	कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, लज्जा, इड़ा सर्ग)
3.	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति एवं कुकुरमुत्ता ।
4.	सुमित्रानंदन पंत	(1) परिवर्तन (2) नौका विहार
5.	महादेवी वर्मा	(1) प्रिय सांध्य गगन (2) मैं नीर भरी दुःख की बदली (3) पंथ होने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला (4) टूट गया वह निर्मम दर्पण (5) यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो (6) रूपसी तेरा घन केश पाश ।
6.	अज्ञेय	(1) नदी के द्वीप (2) असाध्य वीणा (3) बावरा अहेरी (4) सोन मछली (5) आंगन के पार (6) कितनी नावों में कितनी बार (7) सत्य तो बहुत मिले (8) एक सन्नाटा बुनता हूँ (9) हमने पौधों से कहा (10) सागर मुद्रा ।
7.	मुक्तिबोध	अंधेरे में
8.	नागार्जुन	(1) बादल को घिरते देखा है (2) सिन्दुर तिलकित भाल (3) बसन्त की आगवानी (4) कोई आए तुमसे सीखे (5) शिशिर विषकन्या (6) तो फिर क्या हुआ (7) यह तुम थीं (8) कोयल आज बोली है (9) अकाल और उसके बाद (10) शासन की बन्दूक ।

दुतपाठ हेतु निम्नांकित 10 कवियों का अध्ययन किया जाएगा। इनमें से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे –

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 2. हरिवंशराय बच्चन 3. केदारनाथ अग्रवाल 4. भवानी प्रसाद मिश्र 5. शमशेर बहादुर सिंह 6. त्रिलोचन 7. रघुवीर सहाय 8. धूमिल 9 दुष्यंत कुमार 10 माखनलाल चतुर्वेदी

अंक विभाजन –

3 व्याख्या	3 X 10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक

कुल = 100 अंक

इकाई विभाजन –

इकाई–1	व्याख्या
इकाई–2	गुप्त, प्रसाद व निराला ।
इकाई–3	महादेवी वर्मा, अज्ञेय, मुक्तिबोध एवं नागार्जुन
इकाई–4	दुतपाठ के 10 कवि
इकाई–5	वस्तुनिष्ठ (सभी पाठ्यपुस्तकों से)

सहायक पुस्तकें

1. साकेत एक अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र
2. प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेमशंकर
3. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
5. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. नगेन्द्र
6. कवि निराला – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
7. निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा
8. कवि दृष्टि – रामस्वरूप चतुर्वेदी
9 नयी कविता की पहचान – डॉ. राजेन्द्र मिश्र
10. हिंदी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य–अज्ञेय
11. नया साहित्य : नये प्रश्न – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
12. स्मृति लेखा – सं. ही. वात्स्यायन अज्ञेय
13. कामायनी मिथक और स्वप्न – रमेश कुंतल मेघ
14. फिलहाल – अशोक वाजपेयी
15. अज्ञेय का रचना संसार – रामस्वरूप चतुर्वेदी
16. कविता की तीसरी आंख – प्रभाकर श्रोत्रिय
17. कविता साक्षात्कार – मलयज
18. कविता का गल्प – अशोक वाजपेयी
19. शमशेर बहादुर सिंह – प्रभाकर श्रोत्रिय
20. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
21. निराला काव्य पुनर्मूल्यांकन – धनंजय वर्मा
22. समकालीन हिंदी कविता – रमेश अनुपम
23. समकालीन हिंदी काव्य – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
24. परम अभिव्यक्ति की खोज – डॉ. धनंजय वर्मा
25. आधुनिक काव्य संकलन – सत्यभामा आड़िल
26. साकेत का शैली वैज्ञानिक अध्ययन – सुभद्रा राठौर
27. कवि कथाकार विनोद कुमार शुक्ल का साहित्य – डॉ. आस्था तिवारी
28. प्रगतिशील कविता और केदार – गिरजा शंकर गौतम
29. छायावादोत्तर काव्य की विभिन्न प्रवृत्तियों एवं उनका चैन्तनिक पक्ष – डॉ. ज्योति पाण्डेय

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
आधुनिक गद्य–साहित्य
(पेपर कोड– 0316)

उद्देश्य और प्रस्तावना –

आधुनिक काल में गद्य–साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है । यह मानव–मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है । मनुष्य का राग–विराग, तर्क–वितर्क तथा चिंतन–मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है, वैसा अन्य विधा में नहीं । आधुनिक काल में गद्य की विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़–मन मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है । निबंध गद्य का प्रौढ़ शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है । आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश परिस्थिति तथा चिंतन की विकास प्रक्रिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है । अतः इसका अध्ययन अनिवार्य हैं । इस प्रश्न पत्र में 2 नाटक, 2 उपन्यास, 7 निबंध, 7 कहानियों एवं 1 चरितात्मक कृति पठनीय है ।

पाठ्य विषय–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित–

1. स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद
2. आधे अधूरे – मोहन राकेश
3. गोदान – प्रेमचंद
4. बाणभट्ट की आत्मकथा – हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. निबंध–
    1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : – क्रोध
    2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति
    3. रामवृक्ष बेनीपुरी – माटी की मूरतें
    4. कुबेरनाथ राय – हरी–हरी दूब और लाचार क्रोध
    5. विद्यानिवास मिश्र – तुम चंदन हम पानी
    6. हरिशंकर परसाई – वैष्णव की फिसलन
    7. सरदार पूर्ण सिंह – मजदूरी और प्रेम

6. कहानी–

1. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी :	उसने कहा था
2 जयशंकर प्रसाद :	आकाशदीप
3. प्रेमचंद :	ईदगाह
4. राजेन्द्र यादव :	छोटे–छोटे ताजमहल
5. कृष्णा सोबती :	बादलों के घेरे
6. उषा प्रियंवदा	वापसी
7. भीष्म साहनी :	अमृतसर आ गया

7. चरितात्मक कथा –

विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा ।

द्रुत पाठ हेतु 5 नाटककार, 5 उपन्यासकार, 5 निबंधकार, 5 कहानीकार और 2 स्फुट गद्य विधाओं के रचनाकार रखे गए हैं। इनमें से प्रत्येक विधा से संबंधित 1–1 लघुत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा।

नाटककार– 1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र 2. डॉ. रामकुमार वर्मा 3. भुवनेश्वर
4. जगदीशचन्द्र माथुर 5. उपेन्द्रनाथ अश्क

उपन्यासकार– 1. राहुल सांस्कृत्यायन 2. यशपाल 3. अमृतलाल नागर
4. भीष्म साहनी 5. मन्नू भण्डारी

निबंधकार – 1. प्रतापनारायण मिश्र 2. महावीर प्रसाद द्विवेदी 3. बालमुकुन्द गुप्त
4. शिवपूजन सहाय 5. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

कहानीकार– 1. पांडेय बेचन शर्मा उग्र 2. रांगेय राघव 3. फणीश्वरनाथ रेणु
4. शिव प्रसाद सिंह 5. अमरकांत

स्फुट ग्रंथ– 1. हरिवंशराय बच्चन (क्या भूलूँ क्या याद करूँ) 2. महादेवी वर्मा (संस्मरण)

अंक विभाजन –

3 व्याख्या	3 X 10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक

कुल = 100 अंक

इकाई विभाजन –

इकाई–1 व्याख्या

इकाई–2 चन्द्रगुप्त, आधे–अधूरे, गोदान एवं बाणभट्ट की आत्मकथा

इकाई–3 निबंध, कहानी एवं चरितात्मक कथा आवारा मसीहा

इकाई–4 द्रुतपाठ के रचनाकार इकाई–5 वस्तुनिष्ठ

सहायक पुस्तकें

1. हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा
2. हिंदी नाटक सिद्धांत और विवेचन – डॉ. गिरीश रस्तोगी
3. हिंदी नाटक पुनर्मूल्यांकन – डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4. समसामयिक हिंदी नाटकों में चरित्र सृष्टि – डॉ. जयदेव तनेजा
5. हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ कुमार
6. प्रेमचंद और उसका युग – डॉ. रामविलास शर्मा
7. गोदान के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. गोपाल राय
8. कहानी नई कहानी – डॉ. नामवर सिंह
9. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
10. शांति निकेतन में शिवालिक – डॉ. शिवप्रसाद सिंह
11. हजारी प्रसाद द्विवेदी – सं. विश्वनाथ तिवारी
12. कहानी, संवेदना और धरातल – राजेन्द्र यादव
13. कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु – चंद्रभान सोनवणे
14. हिंदी के आंचलिक उपन्यासों में जीवन सत्य – डॉ. इंदु प्रकाश पाण्डेय
15. हिंदी उपन्यासों में आंचलिकता की प्रवृत्ति – डॉ. के. वुड़के
16. हिंदी कहानी का रचना शास्त्र – डॉ. धनंजय वर्मा
17. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में जीवन–दर्शन – डॉ. राजेश कुमार श्रीवास
18. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
19. रंग–दर्शन – नेमिचंद जैन
20. संस्मरण – महादेवी वर्मा
21. प्रेमचंद साहित्य में सूक्ति–सौष्ठव – राजकुमार पाण्डेय
22. हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य चिंतन – शशि पाण्डेय
23. हिंदी लघुकथा का विकास – डॉ. अंजली शर्मा
24. भीष्म साहनी के उपन्यास और नाटक – डॉ. राकेश कुमार तिवारी
25. नई कहानी और भीष्म साहनी – डॉ. राकेश कुमार तिवारी

पंचम प्रश्न पत्र
छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य
(पेपर कोड–0317)

उद्देश्य एवं प्रस्तावना –

हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है । उसकी अनेक विभाषाओं में आज भी पर्याप्त साहित्य सृजन किया जा रहा है। प्राचीन साहित्य तो मुख्यतः विभाषाओं में ही प्राप्त है। इनका पृथक अध्ययन कराने से इन विभाषाओं का उत्तरोत्तर विकास होगा। इस प्रश्न पत्र में छत्तीसगढ़ी भाषा में रचित अर्वाचीन साहित्य का अध्ययन आवश्यक है ।

पाठ्य विषय

1. अ. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण –

(भौगोलिक सीमा, नामकरण, भाषा का इतिहास, व्याकरण के अंग–उपांग)

ब. छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियाँ एवं इतिहास

2. छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि (व्याख्या एवं विवेचना)

(1) सुंदर लाल शर्मा (2) मुकुटधर पाण्डेय (3) द्वारिका प्रसाद मिश्र (4) कुंज बिहारी चौबे

(5) कपिलनाथ कश्यप (6) श्याम लाल चतुर्वेदी (7) गिरिवर दास वैष्णव (8) हरि ठाकुर

(9) नारायण लाल परमार (10) डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा

3. छत्तीसगढ़ी गद्य एवं गद्यकार (व्याख्या एवं विवेचना)

(1) सतवंतिन सुकवारा (श्याम लाल चतुर्वेदी)

(2) सुवा हमर संगवारी (लखन लाल गुप्त)

(3) गोरसी के गोठ (डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा)

(4) ऑसू में फिले अचरा (केयूर भूषण)

(5) कउवा, कबूतर अऊ मनखे (परमानंद वर्मा)

(6) गाय न गरू, सुख होय हरू (लक्ष्मण मस्तुरिहा)

(7) फिरंतिन (मौसी दाई) – (शिवशंकर शुक्ल)

4. छत्तीसगढ़ी नाटक एवं एकांकी (व्याख्या एवं विवेचना)

(1) करमछड़हा (नाटक) – डॉ. खूबचंद बघेल

(2) परेमा (एकांकी) – नन्दकिशोर तिवारी

(3) सउत के डर (एकांकी) – टिकेन्द्र टिकरिहा

5. उपन्यास– (व्याख्या एवं विवेचना)

(1) आवा – परदेशी राम वर्मा (2) माटी के मितान – सरला शर्मा

द्रुत पाठ के लिए निम्नांकित कवियों का अध्ययन किया जाएगा। इनमें से किन्हीं पांच पर लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे।

(1) नरसिंह दास (2) शुकलाल प्रसाद पाण्डेय (3) लोचन प्रसाद पाण्डेय (4) कपिलनाथ मिश्र
(5) प्यारेलाल गुप्त (6) लाला जगदलपुरी (7) लखनलाल वर्मा (8) कोदूराम दलित
(9) डॉ. बलदेव (10) दानेश्वर वर्मा (11) पवन दीवान (12) जीवन यदु
(13) ऊधोराम झखमार (14) बद्रीविशाल परमानन्द

अंक विभाजन –

3 व्याख्या	3 X 10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
	कुल =	100 अंक

इकाई विभाजन –

इकाई–1	व्याख्या (01 कविता, 01 गद्यकथा, 01 नाटक एवं उपन्यास)
इकाई–2	छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि, छत्तीसगढ़ी गद्य एवं गद्यकार
इकाई–3	छत्तीसगढ़ी नाटक, एकांकी एवं आवा (उपन्यास)
इकाई–4	दुतपाठ के रचनाकार व छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियों एवं इतिहास
इकाई–5	भाषा एवं व्याकरण (वस्तुनिष्ठ)
	पाठ्यपुस्तक छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य संपादक– डॉ. सत्यभामा आडिल।

सहायक पुस्तकें:

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्‌विकास – डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश – डॉ. कांतिकुमार
3. छत्तीसगढ़ी हलवी, भतरी भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन – भालचंद्रराव तैलंग
4. छत्तीसगढ़ी परिचय – डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र
5. खूब तमाशा – गोपाल प्रसाद मिश्र
6. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन – दयाशंकर शुक्ल
7. ए ग्रामर ऑफ छत्तीसगढ़ डायलेक्ट अनुवादक ग्रियर्सन – हीरालाल काव्यापाध्याय
8. स्व. लोचन प्रसाद पाण्डेय – प्यारेलाल गुप्त
9. छत्तीसगढ़ी लोकजीवन और लोकसाहित्य का अध्ययन – डॉ. शंकुतला वर्मा
10. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. शंकर शेष
11. प्राचीन छत्तीसगढ़ – प्यारेलाल गुप्त

12. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन – नंदकिशोर तिवारी

13. झांपी – जमुना प्रसाद कसार

14. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य और भाषा – डॉ. बिहारी लाल साहू

15. छत्तीसगढ़ के नवरत्न – रमेश नैयर

16. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य : अर्थ और व्याप्ति – डॉ. अनुसूया अग्रवाल

17. छत्तीसगढ़ के साहित्यकार – देवीप्रसाद वर्मा

18. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण – चंद्रकुमार चंद्राकर

19. पैदल जिंदगी का कवि – डॉ. डुमन लाल ध्रुव

20. पुतरा–पुतरी के बिहाव – परदेसीराम वर्मा

21. अपूर्वा – डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा

22 दुवारी – प्रदीप कुमार वर्मा

24. रत्ना – पारसनाथ देवांगन

25. छत्तीसगढ़ के सुराजी – सुशील यदु

26 संत धर्मदास – डॉ. सत्यभामा आड़िल

27 पिंवरी लिखे तोर भाग – बद्रीविशाल परमानंद

28. लोकरंग 1, 2 – सुशील यदु हेमनाथ यदु

29. सोन चिरइया – हेमनाथ यदु

30. हमार छत्तीसगढ़ – सं. महावीर अग्रवाल

31 कौशल्यानंदन (छत्तीसगढ़ी अनुवाद) – प्रभंजन शास्त्री

32. ऋतुसंहार (छत्तीसगढ़ी अनुवाद) – रसिक बिहारी अवधिया

33. ररूहा सपनाय दारभात – ऊधोराम झखमार

34. छत्तीसगढ़ी गज़ल – मुकुन्द कौशल

35. खोरबाहरा तोला गाँधी बनाबो – डॉ. राजेन्द्र सोनी

36. चोर ले जादा मोटरा अलवाईन – डॉ. राजेन्द्र सोनी

37. छत्तीसगढ़ हाइकू – डॉ. राजेन्द्र सोनी

38. छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियाँ और जनजीवन – डॉ. अनुसूया अग्रवाल

39. छत्तीसगढ़ के युग पुरुष त्यागमूर्ति ठाकुर प्यारेलाल – रमेश नैयर

40. छत्तीसगढ़ की लोक कथाएँ – जयप्रकाश मानस

छत्तीसगढ़ी शब्दकोश –

1. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश – डॉ. पालेश्वर वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश – डॉ. चन्द्रकुमार चन्द्राकर
3. छत्तीसगढ़ी भाषा, बियाकरण अउ कोस – मंगत रवीन्द्र
4. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश – रमेशचन्द्र महरोत्रा एवं अन्य
5. छत्तीसगढ़ी व्यवहारिक शब्द कोश – डॉ. सत्यभामा आड़िल
6. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश – डॉ. रमेशचन्द्र महरोत्रा एवं अन्य

पत्र–पत्रिकाएँ –

1. लोकाक्षर – छत्तीसगढ़ी त्रैमासिक पत्रिका, बिलासपुर
2. छत्तीसगढ़ी सेवक – साप्ताहिक छत्तीसगढ़ी पत्र, सं. जागेश्वर प्रसाद
3. देशबंधु का साप्ताहिक मड़ई अंक – सं. सुधा वर्मा
4. काहे रे नलिनी तू कुम्हलानी, अगासदिया – वार्षिक पत्रिका, सं. परदेशीराम वर्मा
5. धरोहर (मासिक पत्रिका) – सं. दुर्गा प्रसाद पारकर ।
6. छत्तीसगढ़–मित्र – सं. सुशील त्रिवेदी

2020–21

एम.ए. हिंदी अंतिम

एम.ए. अंतिम हिंदी में निम्नलिखित अनिवार्य प्रश्न पत्र होंगे।

क्र.	प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का नाम	अंक	पेपर कोड
1	षष्ठ	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	100	0318
2	सप्तम	भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा	100	0319
3	अष्टम	प्रयोजनमूलक हिंदी	100	0320
4	नवम	भारतीय साहित्य	100	0321
5	दशम	पत्रकारिता प्रशिक्षण	100	0322

षष्ठ प्रश्न पत्र
काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन
(पेपर कोड–0318)

प्रस्तावना –

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इनसे साहित्यिक समझ विकसित होती है। यह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और जाँचने–परखने के लिए भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र तथा हिंदी के निजी साहित्यालोचन का अध्ययन समीचीन है।

पाठ्यविषय

इकाई–1 संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य–लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार ।

रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण ।

रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

वक्रोक्ति–सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।

ध्वनि–सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि– सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

इकाई–2 – पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्लेटो : काव्य सिद्धांत

अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी– विरेचन

लोजाइनस : उदात्त की अवधारणा ।

मैथ्यू ऑर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य । कला की अवधारणा।

आई.ए. रिचड्र्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यवहारिक आलोचना।

कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत

टी. एस. इलियट : कला की निर्वैक्तिकता

इकाई–3 (क) हिंदी कवि आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन, लक्षण, काव्य परंपरा एवं काव्य शिक्षा–

(1) केशवदास (2) देव (3) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (4) नंददुलारे वाजपेयी

(5) डॉ. रामविलास शर्मा

(ख) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

(ग) समकालीन हिंदी समालोचना : शिवदान सिंह चौहान, रामस्वरूप चतुर्वेदी, कृष्णदत्त पालीवाल, सुधीश पचौरी

इकाई–4 सिद्धांत और वाद–अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद । नयी समीक्षा मिथक, फन्तासी, कल्पना, बिंब एवं प्रतीक योजना ।

इकाई विभाजन		**अंक विभाजन**
1. संस्कृत काव्य शास्त्र		15 अंक
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र		15 अंक
3. (क) हिंदी कवि आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन		15 अंक
(ख) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों		
(ग) व्यावहारिक समीक्षा		
4. सिद्धांत और वाद		15 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
6. 20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
	कुल	100 अंक

संदर्भ ग्रन्थः

1 साहित्य के प्रमुख पक्ष	–	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
2. रस सिद्धांत	–	डॉ. नगेन्द्र
3. रीति काव्य की भूमिका	–	डॉ. नगेन्द्र
4. भारतीय काव्यशास्त्री	–	डॉ. उदयमान सिंह
5. हिंदी की सामाजिक समीक्षा	–	डॉ. रामाधार शर्मा
7. हिंदी आलोचना के आधार स्तम्भ	–	रामेश्वर खंडेलवाल
8. समीक्षा के प्रतिमान	–	डॉ. निर्मला जैन
9 पाश्चात्य काव्य शास्त्र	–	डॉ. विजय बहादुर सिंह
10 पाश्चात्य समीक्षा के मानदंड	–	प्रो. प्रमोद वर्मा
11 भारतीय और पाश्चात्य समीक्षा	–	डॉ. गणेश खरे
12. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	–	डॉ. शिव कुमार मिश्र
13. आलोचना के नये मान	–	कर्ण सिंह चौहान
14. कला की कसौटी	–	निर्मला वर्मा
15. यथार्थवाद	–	डॉ. शिवकुमार मिश्रा
16. दूसरी परम्परा की खोज	–	डॉ. नामवर सिंह
17. समीक्षा के प्रतिमान	–	डॉ. गंगाचरण त्रिपाठी
18. नया साहित्य नये प्रश्न	–	आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी

सप्तम प्रश्न पत्र

भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा

(पेपर कोड–0319)

प्रस्तावना –

साहित्य आद्यंत एक भाषिक निर्मित है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है।

भाषा–विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर इनके अंतः संबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। मूल भाषा व्यवस्था पर आरोपित द्वितीय साहित्यिक व्यवस्था की भाषिक प्रकृति की स्वीकृति प्राचीन भारतीय एवं अधुनातन पाश्चात्य साहित्य चिंतन में समान रूप से लक्षणीय है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येत्तर, प्रयोजनमूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषावैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्वपूर्ण है।

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास क्रम, भौगोलिक विस्तार, स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य विकास और मानवीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है।

पाठ्य–विषय

(क) भाषा विज्ञान

1. भाषा और भाषाविज्ञान, भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा–व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा–संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषा विज्ञान–स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ–वर्णात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक ।
2. स्वनप्रक्रिया–स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ वाक् अवयव और उनके कार्य, स्वनों का वर्गीकरण, स्वनिम परिवर्तन ।
3. व्याकरण–रूप–प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद, मुक्त–आबद्ध और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम, भेद प्रकार्य, वाक्य अवधारणा, वाक्य भेद, वाक्य–विश्लेषण।
4. अर्थाविज्ञान– अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ संबंध, अर्थ–परिवर्तन।
5. साहित्य भाषाविज्ञान साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता ।

(ख) हिंदी भाषा

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ–वैदिक और लौकिक, संस्कृत और उसकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ पालि, प्राकृत–शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषा समूह और उनका वर्गीकरण ।
2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी, और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ ।
3. हिंदी का भाषिक स्वरूप–हिंदी शब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास । रूपरचना लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी की संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप । हिंदी काव्य, रचना–पदक्रम और अन्विति ।
4. हिंदी के विविध रूप–संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम–भाषा, संचार भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति ।
5. हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ – आंकड़ा–संसाधन और शब्द–संसाधन, वर्तनी–शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा शिक्षण ।
6. देवनागरी लिपि–विशेषताएँ और मानवीकरण ।

इकाई विभाजन

इकाई–1	भाषा और भाषाविज्ञान, स्वन–प्रक्रिया
इकाई–2	व्याकरण
इकाई–3	अर्थविज्ञान, साहित्य और भाषाविज्ञान ।
इकाई–4	हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी का भाषिक स्वरूप।
इकाई–5	हिंदी के विविध रूप, देवनागरी लिपि, हिंदी में कम्प्यूटर की सुविधाएँ।

अंक विभाजन –

भाषा विज्ञान	(2 आलोचनात्मक प्रश्न)	2 X 15	30 अंक
हिंदी भाषा	(2 आलोचनात्मक प्रश्न)	2 X 15	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न		5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न		20 X 1	20 अंक
		कुल	100 अंक

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय आर्य भाषा और हिंदी – सुनीति कुमार चटर्जी
2. भारत की भाषा समस्या – रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
4. नागरी अंक और अक्षर – धीरेन्द्र वर्मा
5. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना
6. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा – भोलानाथ तिवारी
7 हिंदी भाषाविज्ञान – मनमोहन गौतम
8 भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा – द्वारिका प्रसाद सक्सेना

9 भाषाविज्ञान और भाषा – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

10. भाषाविज्ञान – देवेन्द्रनाथ शर्मा

11. भाषा शास्त्र – उदयनारायण तिवारी

12. हिंदी भाषा और बोलियों का अंतर संबंध – सं.डॉ. सरोज मिश्रा

13. प्रयोजनमूलक हिंदी – बालेन्दुशेखर तिवारी

14 हिंदी भाषा की संरचना के अभ्यास – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

अष्टम प्रश्न पत्र
प्रयोजनमूलक हिंदी
(पेपर कोड– 0320)

प्रस्तावना–

भाषा मानव जीवन की अनिवार्य सामाजिक वस्तु और व्यावहारिक चेतना है । जिसके दो मुख्य आयाम या प्रकार्य हैं । सौन्दर्यपरक और प्रयोजनपरक भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का संबंध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से है, और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज – सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होती है। उत्तर आधुनिक काल में जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली प्रयोजनपरक हिंदी का अध्ययन अति अपेक्षित है। इसके विविध आयामों से न केवल रोज़गार या जीविका की समस्याएँ हल होंगी अपितु राष्ट्र भाषा तथा राजभाषा का संस्कार भी दृढ़ होगा ।

पाठ्य–विषय

इकाई–1 कामकाजी हिंदी एवं हिंदी कंप्यूटिंग

– हिंदी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार–भाषा, राजभाषा, माध्यम–भाषा, मातृभाषा ।

– कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी।

– पारिभाषिक शब्दावली–स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली–निर्माण के सिद्धांत । ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द)

– कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र वेब–पब्लिशिंग का परिचय ।

– इंटरनेट संपर्क – उपकरणों का परिचय प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र ।

– वेब–पब्लिशिंग

– लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना / प्राप्त करना, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल,

– डाउनलोडिंग व अपलोडिंग हिंदी साफ्टवेयर पैकेज

इकाई–2 पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार ।

– हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास

– समाचार लेखन कला

– संपादन के आधारभूत तत्व ।

– व्यवहारिक प्रूफ शोधन

– शीर्षक की संरचना, लीड इंट्रो एवं शीर्षक–संपादन, संपादकीय लेखन।

– पृष्ठ सज्जा।

– साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।

– प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार–संहिता।

इकाई 3 मीडिया–लेखन

– जनसंचार प्रौद्योगिक एवं चुनौतियाँ

– विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप–मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट ।

– श्रव्य माध्यम (रेडियो)

– मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार लेखन एवं वाचन। रेडियो नाटक । उद्घोषणा लेखन । विज्ञापन लेखन

– फीचर एवं रिपोतार्ज ।

– दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं विडियो)

– दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति

– दृश्य एवं श्रव्य–सामाग्री का सामंजस्य । पार्श्व वाचन (वायस ओवर)

– पटकथा लेखन–टेली ड्रामा / डाक्यूमेन्ट्री ड्रामा ।

– संवाद लेखन । साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण। विज्ञापन की भाषा ।

– इंटरनेट : सामग्री–सृजन (Contect Creation)

इकाई 4 अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

– अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र प्रक्रिया एवं प्रविधि

– हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका

– कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद

– जन संचार माध्यमों का अनुवाद

– विज्ञापन में अनुवाद

– वैचारिक : साहित्य का अनुवाद

– वाणिज्यिक अनुवाद

– वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद

– विधि–साहित्य की हिंदी और अनुवाद, व्यवहारिक अनुवाद अभ्यास ।

कार्यालयीन अनुवाद : कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि

– पत्रों के अनुवाद

– पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद

– बैंक–साहित्य के अनुवाद का अभ्यास विधि– साहित्य के अनुवाद का अभ्यास

– साहित्यिक – अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार : कविता, कहानी, नाटक ।

– सारानुवाद

– अनुवादक, अनुवाद प्रविधि

– अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

इकाई विभाजन		**अंक विभाजन**
इकाई–1–क– कामकाजी हिंदी व हिंदी कम्प्यूटिंग		15 अंक
इकाई–2 – ख– पत्रकारिता		15 अंक
इकाई–3–ग– मीडिया लेखन		15 अंक
इकाई–4– अनुवाद		15 अंक
इकाई–5–लघुत्तरीय प्रश्न	5X4	20 अंक
इकाई–6–वस्तुनिष्ठ प्रश्न/लघुत्तरीय प्रश्न	20X1	20 अंक
		कुल – 100 अंक

संदर्भ–ग्रन्थ –

1. प्रयोजनात्मक हिंदी – प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित एवं सिंह (सुलभ प्रकाशन)
2 वाणिज्यिक हिंदी – आर.बी. नारायण (ज्ञानोदय प्रकाशन)
3. व्यावहारिक हिंदी – एन.डी. पालीवाल (मानीषा प्रकाशन, दिल्ली)
4. प्रशासनिक हिंदी – पुष्पा कुमारी (क्लासिकल पब्लिक कम्पनी)
5. हिंदी के आधुनिक विज्ञापन – डॉ. सुधीर शर्मा, वैभव प्रकाशन, रायपुर
6. जनसंचार माध्यमों में हिंदी – डॉ. चन्द्रकुमार (क्लासिकल पब्लिक कंपनी)
7 पत्रकारिता का प्रारंभिक पाठ – गिरीश पंकज
8. पत्रकारिता के छः दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
9 हिंदी पत्रकारिता का वृहद इतिहास – अर्जुन तिवारी (वाणी प्रकाशन)
10. पत्रिका संपादन कला – डॉ. रामचन्द्र तिवारी (आलेख प्रकाशन)
11. हिंदी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र(भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन)
12 भारतीय समाचार पत्रों का संगठन और प्रबन्ध – डॉ. सुकमाल जैन, म.प्र.हि.ग्र.अ.
13 जनमाध्यम और पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
14 पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भानानत
15 पत्रकारिता संदर्भ कोश – डॉ. सुधीन्द्र, डॉ. रामप्रकाश (वाणी प्रकाशन)
16 पत्रकारिता के विविध आयाम – वेद प्रताप वैदिक
17 जनमाध्यम और पत्रकारिता – डॉ. प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान
18 कम्प्यूटर अध्ययन : एक परिचय – नरेन्द्र सिंह पटेल
19 इंटरनेट : एक जानकारी – एस. मक्कड़
20 दूरदर्शनः हिंदी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू (मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर)

21 कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग –	विजय मल्होत्रा (वाणी प्रकाशन)
22 कम्प्यूटर एप्लीकेशन –	गौरव अग्रवाल (शिवा प्रकाशन)
23 अनुवाद के सिद्धांत –	सुरेश कुमार
24 अनुवाद बोध –	डॉ. गार्गीगुप्त (भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली)
25. साहित्यानुवाद –	संवाद और संवेदना डॉ. आरसू (वाणी प्रकाशन)
26. हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद –	आलोक रस्तोगी (सुमीत प्रकाशन)
27. प्रयोजनमूलक हिंदी –	डॉ. चितरंजन कर एवं डॉ. सुधीर शर्मा
28. शोध प्रविधि और कंप्यूटर –	डॉ. गिरजा शंकर गौतम

नवम् प्रश्न पत्र
भारतीय साहित्य
(पेपर कोड– 0321)

प्रस्तावना –

भारतीय भाषाओं में हिंदी भाषा और साहित्य का स्थान अन्य प्रांतीय भाषाओं की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है, इसलिए हिंदी साहित्याध्ययन को अधिकाधिक गंभीर तथा प्रशस्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। एक समेकित भारतीय साहित्य की रूपरचना के लिए हिंदी का भारतीय संदर्भ सर्वथा प्रासंगिक है। इस दृष्टि से हिंदी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान अनिवार्य है। तभी उनके ज्ञान क्षितिज एवं सांस्कृतिक दृष्टि का विकास होगा। यही नहीं, इससे हिंदी अध्ययन का अंतरंग विस्तार भी होगा। इस प्रश्नपत्र के चार खंड होंगे। प्रत्येक खंड से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा ।

पाठ्य–विषय

प्रथम खंड –

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंम्ब
4. भारतीयता का समाज शास्त्र
5. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

द्वितीय खंड

इसके अंतर्गत हिंदीतर साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है, जो तीन वर्गों में विभाजित है –

1. दाक्षिणात्य भाषा वर्ग में मलयालम

2 पूर्वांचल भाषा वर्ग में बंगला

3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग में मराठी

निर्देश

1. प्रत्येक विद्यार्थी इन तीन विकल्पों में से एक भाषा का चयन करेगा, बशर्ते वह भाषा उसकी अपनी क्षेत्रीय भाषा से भिन्न भाषा वाले वर्ग से संबंधित हो ।
2. विद्यार्थी एक भाषा–वर्ग (मलयालम/बंगाली/मराठी) में से किसी एक के साहित्य के इतिहास का अध्ययन करेगा

तृतीय खंड

इस खंड के अंतर्गत तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है। इसमें द्वितीय खंड में निर्धारित किसी एक हिंदीतर भाषा साहित्य के साथ हिंदी को जोड़कर अध्ययन करना होगा ।

चतुर्थ खंड

इस खंड के अंतर्गत एक उपन्यास, एक कविता संग्रह, एक नाटक का आलोचनात्मक अध्ययन किया जायेगा । प्रश्न आलोचनात्मक पूछे जाएँगे। तीनों विधाओं पर एक–एक प्रश्न पूछे जाएँगे । तीनों प्रश्नों के समान रूप से 5–5 अंक रखे जाएँगे। उपन्यास अग्निगर्भ (बंगला महाश्वेता देवी)

कविता संग्रह–कोच्चि के दरख़्त (मलयालम के.जी.शंकरपिल्लै)

नाटक हयवदन (गिरीश कर्नाड)

इकाई–विभाजन		**अंक विभाजन**
इकाई–1 खंड एक		15 अंक
इकाई–2 खंड दो		15 अंक
इकाई–3 खंड तीन		15 अंक
इकाई–4 खंड चार		15 अंक
इकाई–5 लघुत्तरीय प्रश्न	(5X4)	20 अंक
इकाई–6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघुत्तरीय प्रश्न	(20 X1)	20 अंक
		कुल – 100 अंक

पाठ्य–पुस्तक –

उपन्यास–1 अग्नि गर्भ (बंगला) – महाश्वेता देवी (किताब क्लब, राधाकृष्ण प्रकाशन)

कविता 2. कोच्चि के दरख्त (मलयालम) के. जी. शंकरपिल्लै (वाणी प्रकाशन, 21 ए. नई दिल्ली दरियागंज) ।

नाटक 3. हयवदन (कन्नड़) गिरीश कर्नाड़ (राधाकृष्ण प्रकाशन, 2 / 38 अंसारी मार्ग, दरियागंज नई दिल्ली 110002)

संदर्भ–सूची :

1. इक्कीस बंगला कहानियाँ – नेशनल बुक ट्रस्ट,
2. समसामयिक हिंदी कहानियाँ – डॉ. धनंजय वर्मा ।
3. मलयालम साहित्य परख और पहचान – प्रो. आर. सुरेन्द्रन
4. राष्ट्रीय चेतना और मलयालम साहित्य – प्रो. आर. सुरेन्द्रन
5. मराठी भाषा और साहित्य – राजमल बोरा प्रकाशक नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, 2/35 अंसारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली 110002
6. मलयालम साहित्यकारों से साक्षात्कार – प्रो. आर. सुरेन्द्रन
7. बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास – भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद ।
8. भारतीय साहित्य कोश – सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
9. भारतीय साहित्य – सं. डॉ. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली ।
10. भारतीय साहित्य माला सं. कृष्णदयाल भार्गव, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली

11. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा ।
12. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली ।
13. भारतीय साहित्य अवधारणा समन्वय एवं सादृश्यता– जगदीश यादव
14. भारतीय साहित्य : डॉ. रामछबीला त्रिपाठी (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
15. हिंदी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. रामछबीला त्रिपाठी

पत्रिकाएँ

1. सद्भावना दर्पण– सं. गिरीश पंकज, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ टुडे, रायपुर
3. अक्षर पर्व– देशबंधु प्रकाशन, रायपुर
4. राष्ट्र सेतु – रायपुर
5. भारतीय साहित्य (द्वैमासिक) – साहित्य अकादमी, दिल्ली

दशम प्रश्न पत्र
पत्रकारिता–प्रशिक्षण
(पेपर कोड– 0322)

प्रस्तावना –

पत्रकारिता आज जीवन–समाज की धड़कन बन गई है। सिमटते विश्व में स्नायु–तंतुओं के समान काम कर रही है। समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है । इसके साथ–साथ रोजगारपरकता की आकांक्षा की पूर्ति भी इससे होती है। पुनर्जागरण, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व नारी तथा दलित जागरण में इसकी क्रांतिकारी भूमिका रही है। अतः इसका अध्ययन आज की अनिवार्यता बन जाती है।

पाठ्य–विषयः

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार ।
2. भारत में पत्रकारिता का आरंभ ।
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास ।
4. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व–समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम ।
5. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत – शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया ।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना
7. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता ।
8. समाचार के विभिन्न स्रोत ।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति ।
10. पत्रकारिता से संबंधित लेखन–संपादकीय, फीचर, रिपोतार्ज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि ।
11. इलेक्ट्रॉनिक मिडिया की पत्रकारिता – रेडियो, टी.वी. वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।
12. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ़ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा ।
13. पत्रकारिता का प्रबंधन प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा विवरण व्यवस्था ।
14. भारतीय संविधान, सूचनाधिकारी एवं मानवाधिकार।
15. मुक्त प्रेस की अवधारणा ।
16. लोक–संपर्क तथा विज्ञापन ।
17. प्रसारभारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।
18. प्रेस–संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता ।
19. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व ।
20. छत्तीसगढ़ के प्रासंगिक समाचार पत्र ।

इकाई–विभाजन			अंक विभाजन
इकाई–1	1 से 5 तक		15 अंक
इकाई–2	6 से 10 तक		15 अंक
इकाई–3	11 से 15 तक		15 अंक
इकाई–4	16 से 20 तक		15 अंक
इकाई–5	लघुत्तरीय प्रश्न	(5X4)	20 अंक
इकाई–6	वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघुत्तरीय प्रश्न	(20 X 1)	20 अंक
		कुल	100 अंक

संदर्भ–सूची

1 पत्रकारिता के छह दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, साहित्य संगम इलाहाबाद

2 पत्रिका संपादन कला – डॉ. रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन ।

3 समाचार पत्र, मुदण और साज–सज्जा – श्याम सुंदर शर्मा, म.प्र.हि. ग्रंथ अका ।

4 हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास – अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन ।

5 समाचार पत्र / व्यवस्थापन – अनंत गोपाल शेवड़े, म.प्र.हि. ग्रंथ अका.

6 भाषायी पत्रकारिता और जनसंचार– डॉ. विष्णु पंकज, विवेक पब्लि. रायपुर

7 हिंदी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन ।

8 पत्रकारिता का परिप्रेक्ष्य – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, साहित्य संगम ।

9 हिंदी पत्रकारिता के गौरव – बांके बिहारी भटनागर, हरिवंश राय बच्चन, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली ।

10 भारतीय समाचार पत्रों का संगठन और प्रबंधन – डॉ. सुकमाल जैन

11 जनमाध्यम और पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान ।

12. हिंदी पत्रकारिता, राष्ट्रीय नव उद्बोधन – डॉ. श्रीपाल शर्मा, यूनि. प्रका., जयपुर

13. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव मनावत, यूनि. प्रका., जयपुर

14. पत्रकारिता एवं प्रेस विधि – डॉ. बसंती लाल बाबे, सुविधा सा.हा. भोपाल

15. संपादन कला – डॉ. संजीव भनावत, यूनि. प्रका. जयपुर ।

16. हिंदी पत्रकारिता और जन संचार – डॉ. ठाकुर दत्त शर्मा, आलोक वाणी प्रकाशन

17 पत्रकारिता इतिहास और प्रश्न – कृष्ण बिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन

18. हिंदी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन

19 पत्रकारिता संदर्भ कोश – डॉ. सुधीन्द्र, डॉ. रामप्रकाश वाणी प्रकाशन

20 पत्रकारिता के विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक

21 पत्रकारिता के विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक

22 जन माध्यम और पत्रकारिता – डॉ. दीक्षित

23. छत्तीसगढ़ के पंच रत्न – रमेश नैयर

24 छत्तीसगढ़ के युग पुरुष : माधव राव सप्रे – रमेश नैयर

25. छत्तीसगढ़ युगपुरुष : पं. सुंदरलाल शर्मा – रमेश नैयर

———00———